भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 24 दिसंबर, 2025
जारी करने का समय: 1310 घंटे

विषय: (i) उत्तर प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब में 31 दिसंबर तक रात/सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की प्रबल संभावना है; हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 29 दिसंबर तक; जम्मू डिवीजन के कुछ इलाकों में 27 दिसंबर तक, बिहार, ओडिशा और उत्तर-पूर्वी असम के कुछ इलाकों में 29 दिसंबर तक रात/सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की प्रबल संभावना है; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और पूर्वी मध्य प्रदेश में 26 दिसंबर तक; उत्तर-पूर्वी भारत में 26 दिसंबर तक; बिहार में 26 से 28 दिसंबर के दौरान भी घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।

(ii) उत्तराखंड में 24 से 26 दिसंबर के दौरान कुछ स्थानों पर कड़ाके की ठंड से लेकर भीषण ठंड तक की स्थिति रहेगी; बिहार के कुछ इलाकों में 28 दिसंबर तक और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 26 दिसंबर तक ठंड की स्थिति बनी रहने की प्रबल संभावना है।

(iii) 26 और 27 दिसंबर, 2025 को उत्तर-पश्चिमी भारत के कुछ हिस्सों में शीत लहर चलने की संभावना है।

आज 24 दिसंबर 2025 को 0830 घंटे IST तक पिछले 24 घंटों में दर्ज मौसम:

- उत्तर प्रदेश के कुछ/कई हिस्सों में घना से बहुत घना कोहरा (दृश्यता <50 मीटर) छाया रहा; ओडिशा, हिमाचल प्रदेश के पृथक इलाकों में; घना कोहरा (दृश्यता 50-199 मीटर): त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल और सिक्किम, बिहार, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और मध्य प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में दर्ज किया गया।
- रिपोर्ट की गई दृश्यता मीटर में (≤200 मीटर): गंगीय पश्चिम बंगाल: दुर्गापुर, श्रीनिकेतन (50 मीटर); उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: कूचबिहार (100 मीटर); ओडिशा: संबलपुर, राउरकेला (0-49 मी); झारसुगुड़ा, हीराकुड (50-199 मी); बिहार: गया (50 मीटर); भागलपुर (50-199 मी); हिमाचल प्रदेश: बिलासपुर (20 मीटर) और सुंदरनगर (70 मीटर); उत्तराखंड: पंतनगर (200 मीटर), खटीमा (60 मीटर); पंजाब: आदमपुर आईएएफ, पठानकोट आईएएफ; हरियाणा और चंडीगढ़: चंडीगढ़ (100 मीटर); अम्बाला (150 मीटर); पश्चिमी उत्तर प्रदेश: सरसावा (आईएएफ) और बरेली (आईएएफ)-00 प्रत्येक, इटावा-40, बरेली (ओ)-50, नजीबाबाद-(80 मीटर); पूर्वी उत्तर प्रदेश: प्रयागराज (आईएएफ) और कानपुर (आईएएफ) -00 प्रत्येक, कानपुर (शहर) -10, प्रयागराज और बहराईच -20 प्रत्येक, फुरसतगंज, अयोध्या, चुर्क और वाराणसी (एपी) -50 प्रत्येक, फतेहगढ़ और हरदोई -80 प्रत्येक, सुल्तानपुर, लखनऊ (एपी) और बाराबंकी -100 प्रत्येक; त्रिपुरा: अगरतला-(100 मीटर)
- छत्तीसगढ़ में अलग-अलग स्थानों पर शीत लहर की स्थिति देखी गई।
- उत्तराखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में छिटपुट स्थानों पर भीषण ठंड की स्थिति देखी गई; पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में भी शीत लहर के लक्षण दिखाई दिए।

मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान और चेतावनियां (अनुबंध I और II देखें):

- ❖ पूर्वोत्तर भारत में समुद्र तल से 12.6 किमी ऊपर लगभग 130 समुद्री मील की रफ्तार वाली उपोष्णकटिबंधीय पश्चिमी जेट स्ट्रीम चल रही है।
- ❖ दक्षिण केरल से सटे दक्षिण-पूर्वी अरब सागर के ऊपर निचले क्षोभमंडल में एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ 27 दिसंबर, 2025 से पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के आने की संभावना है।

इन प्रणालियों के प्रभाव में निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

- ❖ 27 से 30 दिसंबर के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद में छिटपुट से मध्यम बारिश/बर्फबारी की बहुत अधिक संभावना है। 28 और 30 दिसंबर को हिमाचल प्रदेश में और 29 और 30 दिसंबर को उत्तराखंड में भी यही स्थिति रहेगी।
- ❖ 27 से 29 दिसंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में छिटपुट गरज और बिजली के साथ तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटा) चलने की संभावना है।

आज 0830 घंटे IST तक पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति:

- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद के कई स्थानों और हिमाचल प्रदेश के कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा; उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पंजाब, पश्चिमी राजस्थान और मध्य महाराष्ट्र के कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान 5-10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा; मध्य प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और झारखंड के कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, तेलंगाना और मेघालय के कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा।
- ❖ छत्तीसगढ़ में कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी नीचे (<-5.1°C) रहा; उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना के कुछ स्थानों पर यह सामान्य से काफी नीचे (-5.0°C से -3.1°C) रहा; मराठवाड़ा, विदर्भ, तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के कुछ स्थानों पर भी यही स्थिति रही; केरल और माहे, तटीय कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक के कुछ स्थानों पर यह सामान्य से नीचे (-1.6°C से -3.0°C) रहा; मध्य प्रदेश, कोंकण और गोवा, ओडिशा, बिहार, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, असम और लक्षद्वीप के कुछ स्थानों पर भी यही स्थिति रही। (परिशिष्ट IV देखें)
- ❖ पिछले 24 घंटों में उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान में 1-3°C की वृद्धि देखी गई; तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल के कुछ स्थानों पर भी यही स्थिति रही। मराठवाड़ा, बिहार, असम और मेघालय, तटीय कर्नाटक, विदर्भ, मध्य प्रदेश और गुजरात क्षेत्र के कुछ अलग-अलग हिस्सों में तापमान में गिरावट देखी गई; जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद और हिमाचल प्रदेश में कुछ स्थानों पर तापमान में 1-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई; उत्तर राजस्थान, ओडिशा, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम तथा केरल और माहे में भी कुछ स्थानों पर तापमान में गिरावट दर्ज की गई। भारत के मैदानी इलाकों में सबसे कम न्यूनतम तापमान 5.0 डिग्री सेल्सियस सीकर (पूर्वी राजस्थान) में दर्ज किया गया।

न्यूनतम तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ अगले दो दिनों तक उत्तर-पश्चिम में न्यूनतम तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक गिरावट की प्रबल संभावना है और उसके बाद अगले पांच दिनों तक कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा।
- ❖ अगले तीन दिनों तक पूर्वी भारत में न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक गिरावट की प्रबल संभावना है और उसके बाद अगले चार दिनों तक कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा।
- ❖ अगले दो दिनों तक उत्तर-पूर्वी भारत में न्यूनतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा और उसके बाद अगले पांच दिनों तक 3-4 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक गिरावट होगी।
- ❖ अगले सात दिनों के दौरान देश के शेष भागों में न्यूनतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा।

घना कोहरा एवं शीत लहर चेतावनियां:

- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में 28 तारीख तक रात/सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की संभावना है; पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में 29 से 31 तारीख तक; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 28 तारीख तक; पंजाब में 27 तारीख तक; जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद के कुछ इलाकों में 28 तारीख तक; हिमाचल प्रदेश में 29 तारीख तक; उत्तराखंड में 29 तारीख तक; पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 27 से 29 तारीख तक; उत्तर प्रदेश में 28 और 29 तारीख को; बिहार के कुछ इलाकों में 25 तारीख तक और पूर्वी मध्य प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 26 तारीख तक रात/सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना है; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में 25 तारीख तक; ओडिशा में 29 तारीख तक; असम और मेघालय में 29 तारीख तक। नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 27 दिसंबर तक; बिहार में 25 से 29 दिसंबर तक; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणा में; चंडीगढ़ और दिल्ली में 29 से 31 दिसंबर तक।
- ❖ 25 से 27 दिसंबर तक पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, झारखंड और राजस्थान के कुछ इलाकों में शीतलहर चलने की प्रबल संभावना है।
- ❖ 24 से 27 दिसंबर तक उत्तराखंड के कुछ इलाकों में शीत दिवस से लेकर भीषण शीत दिवस पड़ने की प्रबल संभावना है। 24 से 26 दिसंबर तक पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में; बिहार के कुछ इलाकों में 24 से 28 दिसंबर तक ठंड पड़ने की प्रबल संभावना है।

मछुआरों की चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 24 दिसंबर से 29 दिसंबर के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:

• बंगाल की खाड़ी: मन्नार की खाड़ी और उसके आसपास के क्षेत्रों, कोमोरिन क्षेत्र के कुछ हिस्सों में 24 से 27 दिसंबर के दौरान; सोमालिया तट के आसपास और उससे सटे समुद्री क्षेत्रों में 24 से 26 दिसंबर के दौरान; दक्षिण अंडमान सागर और उसके आसपास के क्षेत्रों में 27 और 28 दिसंबर को।

दिल्ली/एनसीआर में 23-26 दिसंबर 2025 तक मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (परिशिष्ट III)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

मछुआरों की चेतावनी के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php

अनुलग्नक ।

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	24- Dec	25- Dec	26- Dec	27- Dec	28- Dec	29- Dec	30- Dec
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	DRY	DRY	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
2	ARUNACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
3	ASSAM & MEHGHALAYA	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL
6	GANGETIC WEST BENGAL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
7	ODISHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
8	JHARKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
9	BIHAR	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	DRY	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
25	MARATHWADA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
29	TELANGANA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
35	KERALA AND MAHE	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
36	LAKSHADWEEP	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

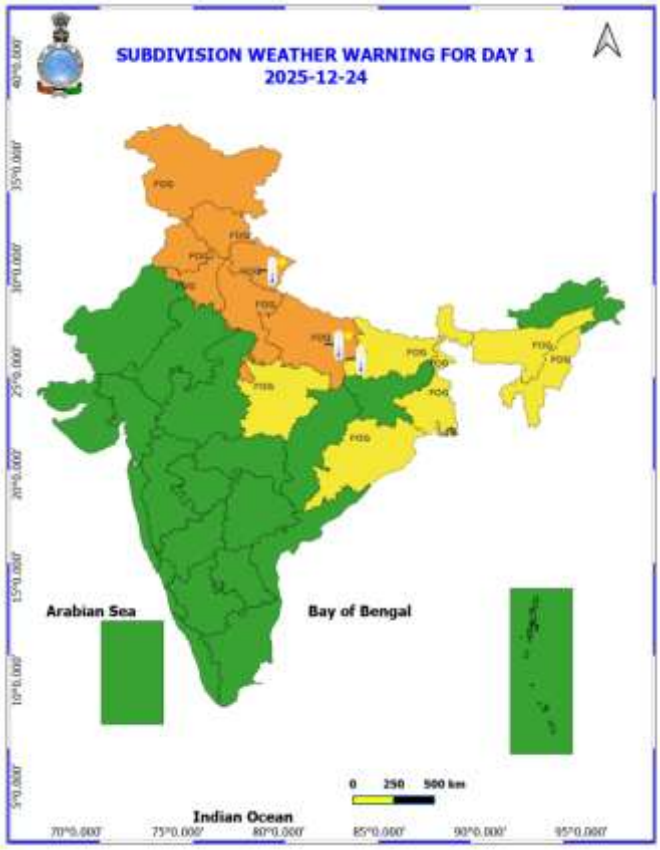
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-12-24
FOG
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

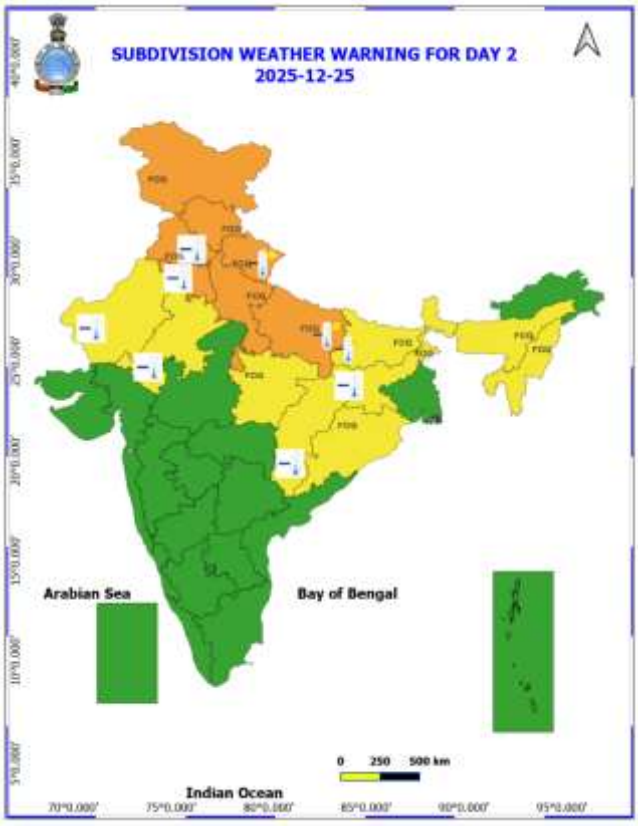
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-12-25
FOG
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

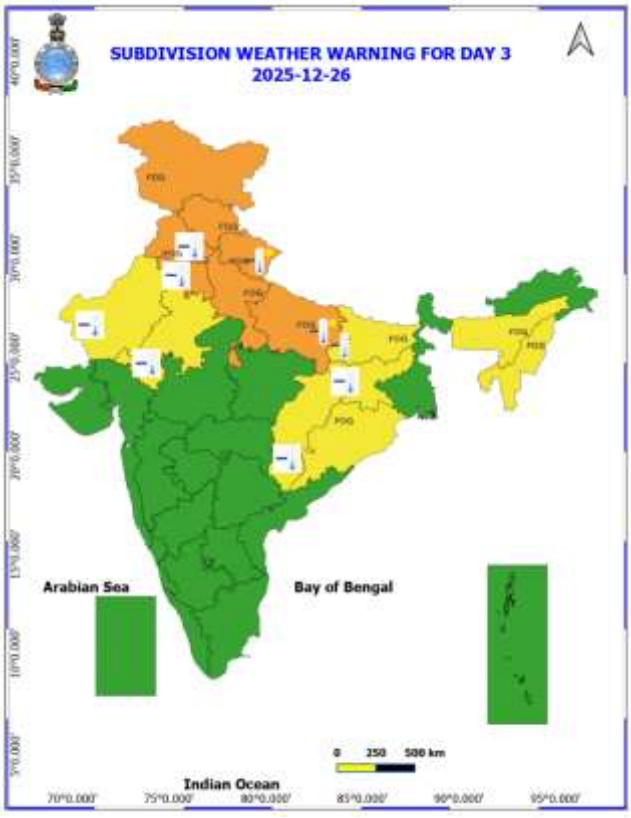
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-12-26
FOG
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

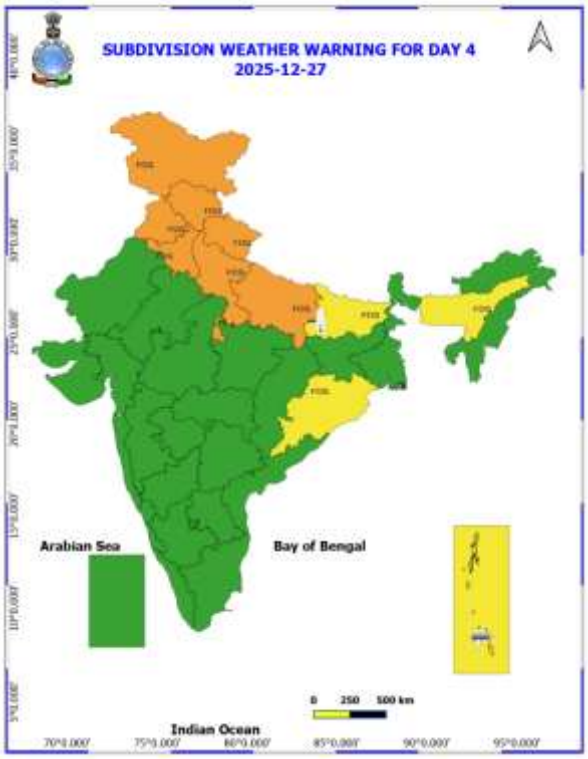

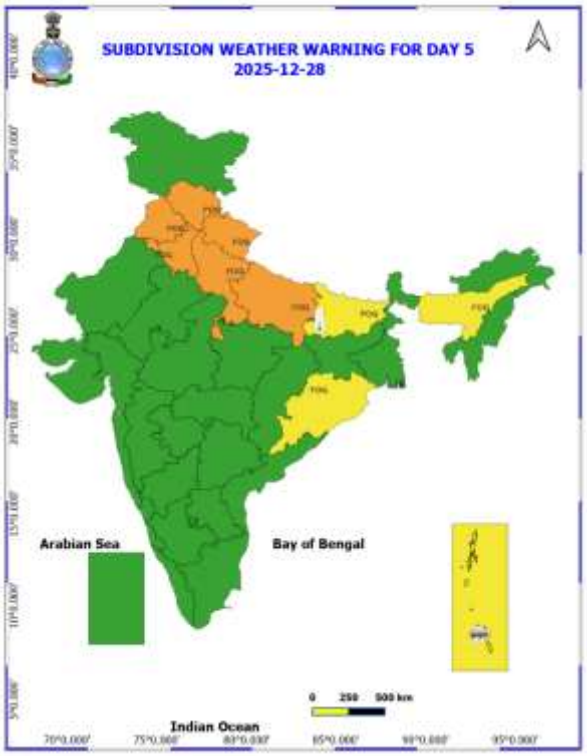

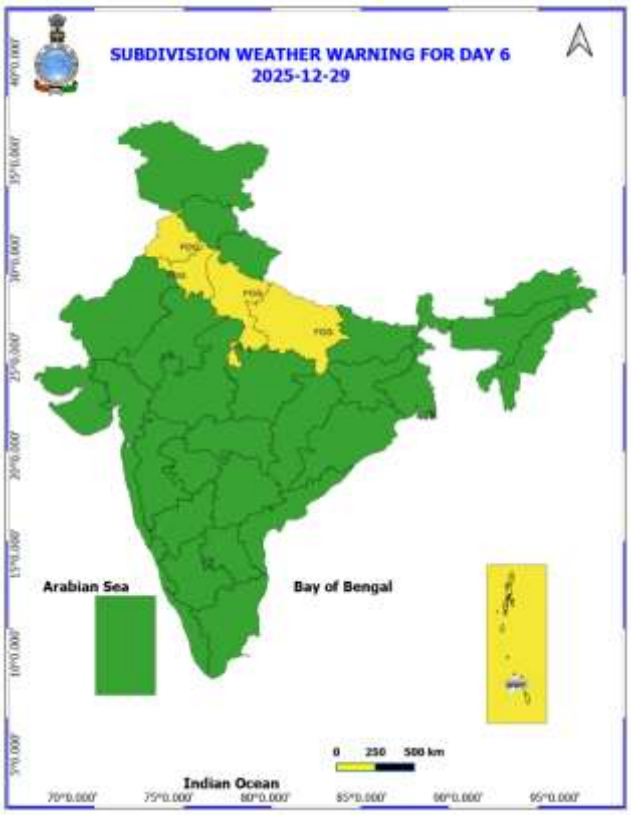

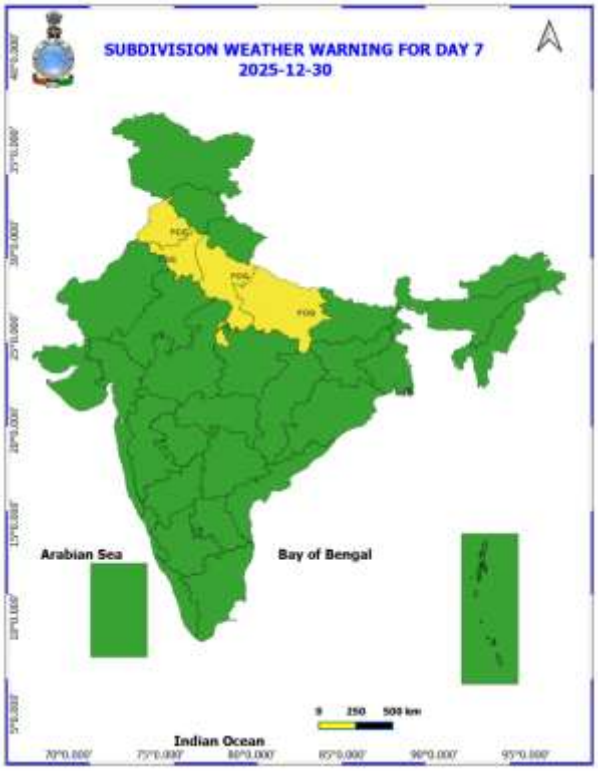

- **नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।**
- **असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।**
- **जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।**

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक III

दिल्ली/एनसीआर में 24 दिसंबर से 27 दिसंबर 2025 तक मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है, जबकि अधिकतम तापमान में 1-2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20 से 24 डिग्री सेल्सियस और 8 से 10 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। दिल्ली में कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6 से 3.0 डिग्री सेल्सियस) है, जबकि कुछ स्थानों पर यह सामान्य (-1.5 से 1.5 डिग्री सेल्सियस) है। अधिकतम तापमान भी कई स्थानों पर सामान्य से अधिक (1.6 से 3.0 डिग्री सेल्सियस) है, कुछ स्थानों पर काफी अधिक (3.1 से 5.0 डिग्री सेल्सियस) है, और कुछ स्थानों पर सामान्य (-1.5 से 1.5 डिग्री सेल्सियस) है। पलाम में 24.12.2025 को भारतीय समयानुसार 02:30 से 05:00 बजे तक घने कोहरे के कारण दृश्यता 100 मीटर तक गिर गई, जो बाद में 05:30 बजे से बढ़कर 250 मीटर हो गई। सफदरजंग में 24.12.2025 को भारतीय समयानुसार 04:30 बजे मध्यम कोहरे के कारण दृश्यता 400 मीटर तक गिर गई, जो बाद में 07:30 बजे से बढ़कर 500 मीटर हो गई। पिछले 24 घंटों के दौरान पलाम और सफदरजंग में मध्यम से घना कोहरा छाया रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान आसमान मुख्य रूप से साफ रहा और पश्चिम दिशा से 16 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली। आज सुबह के समय क्षेत्र में आसमान मुख्य रूप से साफ रहा, मध्यम से घना कोहरा छाया रहा और दक्षिण-पश्चिम दिशा से 14 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली।

मौसम पूर्वानुमान:

24.12.2025: आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। दिन के समय सतही हवाओं की गति 15-25 किमी प्रति घंटा रहेगी। रात में धुंध छाई रहेगी। अधिकतम तापमान 22 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। दोपहर के समय सतही हवा मुख्यतः उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी और इसकी गति 20 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। शाम और रात के समय पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की गति कम होकर 10 किमी प्रति घंटा से नीचे हो जाएगी।

25.12.2025: आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। सुबह के समय कई स्थानों पर हल्की से मध्यम धुंध छाई रहेगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 21 डिग्री सेल्सियस से 31 डिग्री सेल्सियस और 5 डिग्री सेल्सियस से 7 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.5 डिग्री सेल्सियस से -3.5 डिग्री सेल्सियस) रहेगा, जबकि अधिकतम तापमान दिल्ली में सामान्य के आसपास रहेगा। सुबह के समय सतह पर चलने वाली हवा मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से चलेगी और इसकी गति 10 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर में हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 12 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति घटकर उत्तर दिशा से 5 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

26.12.2025: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय कई स्थानों पर हल्की से मध्यम धुंध रहेगी, जबकि कुछ स्थानों पर घनी धुंध छाई रहेगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 19°C से 21°C और 5°C से 7°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-0.5°C से -2.5°C) रहेगा, जबकि अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। सतह पर चलने वाली हवा मुख्य रूप से उत्तर-पूर्व दिशा से चलेगी, जिसकी गति सुबह के समय 5 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर में हवा शांत रहेगी और उत्तर-पश्चिम दिशा से 5 किमी प्रति घंटा तक की गति से चलेगी। शाम और रात के समय उत्तर दिशा से चलने वाली हवा की गति 5 किमी प्रति घंटा से कम रहेगी।

27.12.2025: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय कई स्थानों पर हल्की से मध्यम धुंध रहेगी, जबकि कुछ स्थानों पर घनी धुंध छाई रहेगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 19°C से 21°C और 5°C से 7°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। सतही हवा मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से चलेगी, जिसकी गति शांत रहेगी और सुबह के समय बढ़कर 5 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर में हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति घटकर उत्तर-पश्चिम दिशा से 5 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

अनुलग्नक IV

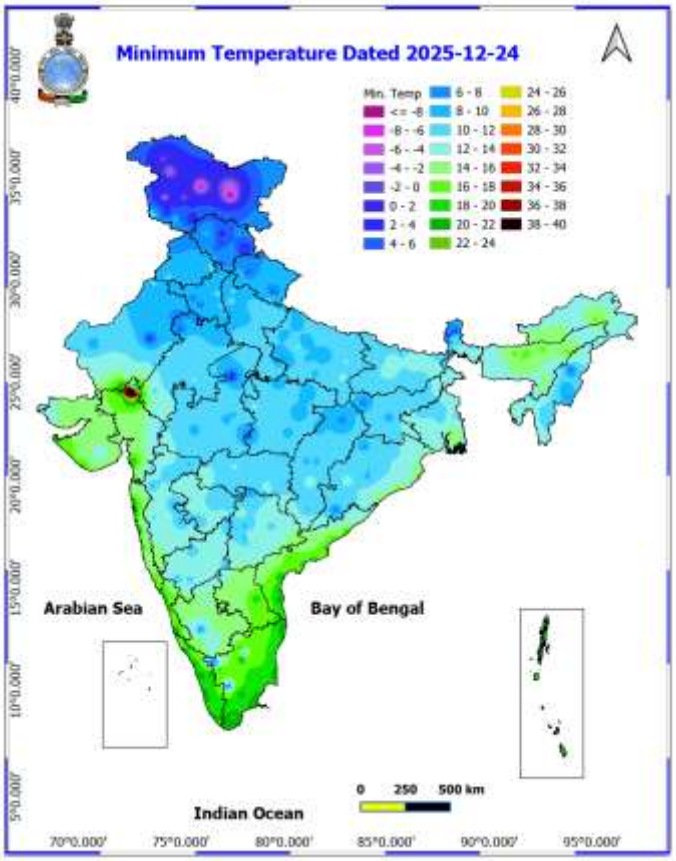

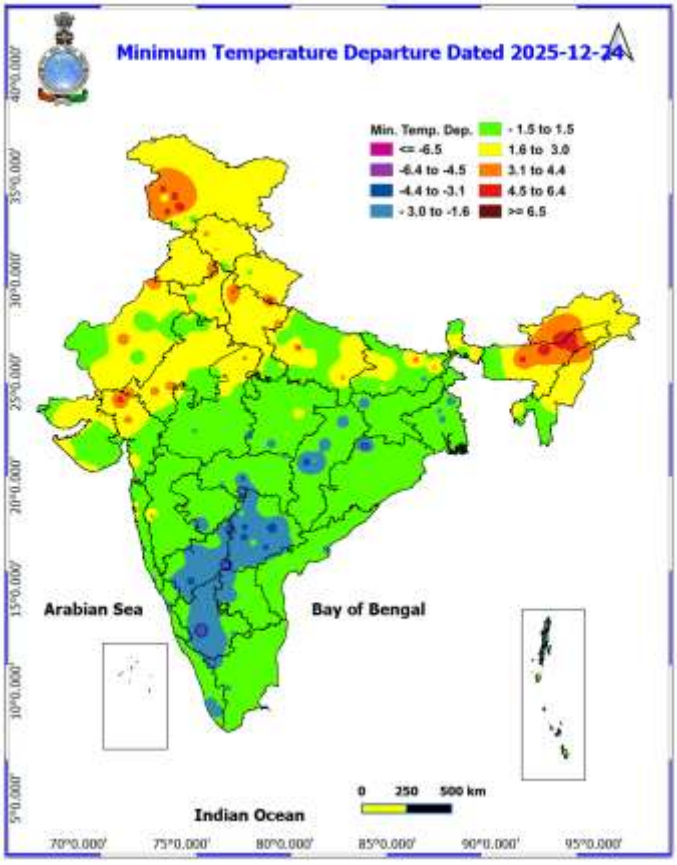

रात/सुबह के समय घने/बहुत घने कोहरे के कारण प्रभाव पड़ने की आशंका है:

- **रात/सुबह के समय घने/अत्यंत घने कोहरे के कारण प्रभाव की आशंका:** पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में 28 तारीख तक अत्यधिक संभावना; पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में 29-31 तारीख के दौरान; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 28 तारीख तक; पंजाब में 27 तारीख तक; जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद के कुछ इलाकों में 28 तारीख तक; हिमाचल प्रदेश में 29 तारीख तक; उत्तराखंड में 29 तारीख तक; पंजाब और हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 27-29 तारीख के दौरान; उत्तर प्रदेश में 28 और 29 तारीख को रात/सुबह के समय घने कोहरे की स्थिति की अत्यधिक संभावना; बिहार के कुछ इलाकों में 25 तारीख तक और पूर्वी मध्य प्रदेश और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम के कुछ इलाकों में 26 तारीख तक; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में 25 तारीख तक; ओडिशा में 29 तारीख तक; असम और मेघालय में 29 तारीख तक। नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 27 तारीख तक; बिहार में 25 से 29 तारीख तक; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणा में; चंडीगढ़ और दिल्ली में 29 से 31 दिसंबर तक।

प्रभाव अपेक्षित

- परिवहन और विमानन:
  - मौसम उप-विभाग के अंतर्गत आने वाले कुछ हवाई अड्डों, राजमार्गों और रेलवे मार्गों पर इसका प्रभाव पड़ सकता है।
  - यातायात कठिन हो सकता है और यात्रा में अधिक समय लग सकता है।
  - एहतियाती उपाय न अपनाने पर सड़क दुर्घटनाएं हो सकती हैं।
- बिजली क्षेत्र:
  - बहुत घने कोहरे वाले मार्गों में बिजली लाइनों के ट्रिप होने की संभावना।
- मानव स्वास्थ्य:
  - फेफड़ों से संबंधित स्वास्थ्य प्रभाव: घने कोहरे में कणिका तत्व और अन्य प्रदूषक होते हैं और इनके संपर्क में आने पर ये फेफड़ों में जमा हो जाते हैं, उन्हें अवरुद्ध कर देते हैं और उनकी कार्यात्मक क्षमता को कम कर देते हैं जिससे घरघराहट, खांसी और सांस लेने में तकलीफ बढ़ जाती है।

• अस्थमा, ब्रोंकाइटिस से पीड़ित लोगों पर प्रभाव: लंबे समय तक घने कोहरे के संपर्क में रहने से अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों से संबंधित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित लोगों को सांस लेने में समस्या हो सकती है।
• आँखों में जलन: घने कोहरे में विभिन्न प्रकार के प्रदूषण होते हैं और हवा में मौजूद ये प्रदूषक आँखों की झिल्लियों में जलन पैदा कर सकते हैं जिससे विभिन्न संक्रमण हो सकते हैं जिससे आँखों में लालिमा या सूजन आ सकती है।

सुझाई गई कार्रवाई:

❖ परिवहन और विमानन:

• वाहन चलाते समय या किसी भी परिवहन से यात्रा करते समय सावधान रहें।
• वाहन चलाते समय फॉग लाइट का प्रयोग करें।
• अपनी यात्रा के कार्यक्रम के लिए एयरलाइन, रेलवे और राज्य परिवहन से संपर्क में रहें।

❖ विद्युत क्षेत्र:

• रखरखाव टीम को तैयार रखना।
• मानव स्वास्थ्य: आपातकालीन स्थिति को छोड़कर बाहर जाने से बचना और चेहरा ढकना चाहिए।

शीत लहर की परिस्थितियों के कारण संभावित प्रभाव:

❖ **25** से **27** दिसंबर के दौरान पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, झारखंड और राजस्थान के कुछ इलाकों में शीत लहर की स्थिति के कारण प्रभाव पड़ने की प्रबल संभावना है।

लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्लू, नाक बहना/बंद होना या नाक से खून आना जैसी कई बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है। कंपकंपी को नज़रअंदाज़ न करें। यह पहला संकेत है कि शरीर से गर्मी निकल रही है। घर के अंदर चले जाएं।
लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्रॉस्टबाइट हो सकता है। त्वचा पीली, सख्त और सुन्न हो जाती है और अंततः उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक और कान के निचले हिस्से जैसे खुले शरीर के अंगों पर काले छाले दिखाई देने लगते हैं। गंभीर फ्रॉस्टबाइट के लिए तत्काल चिकित्सा सहायता और उपचार की आवश्यकता होती है।
कुछ स्थानों पर कृषि, फसल, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं।

सुझावित उपाय:

❖ ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
❖ अपने सिर, गर्दन, हाथों और पैरों को अच्छी तरह ढकें, क्योंकि शरीर के अधिकांश अंग इन्हीं से ऊष्मा खोते हैं। एक भारी कपड़े की परत के बजाय ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
❖ पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ, अधिमानतः गर्म तरल पदार्थ पिएं।
❖ बाहरी गतिविधियों से बचें या उन्हें सीमित करें।
❖ शरीर को सूखा रखें; यदि गीला हो जाए, तो शरीर की ऊष्मा को कम होने से बचाने के लिए तुरंत कपड़े बदल लें। ऊष्मारोधी/जलरोधक जूते पहनें।
❖ शरीर के प्रभावित हिस्से को गुनगुने पानी से धीरे-धीरे गर्म करें; त्वचा को ज़ोर से न रगड़ें।
❖ यदि प्रभावित त्वचा का रंग काला पड़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।
❖ जहरीले धुएं को सांस में लेने से बचने के लिए हीटर का उपयोग करते समय वेंटिलेशन बनाए रखें।
❖ बिजली और गैस से चलने वाले हीटिंग उपकरणों का उपयोग करते समय सुरक्षा उपाय करें।
❖ संवेदनशील व्यक्तियों के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।
❖ ठंड से जमने/शीघ्रता से ग्रस्त व्यक्ति को यथाशीघ्र चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए।
❖ पशुधन को ठंड से बचाएं।

शीत दिवस की परिस्थितियों के कारण संभावित प्रभाव:

- शीत दिवस के कारण प्रभाव की आशंका: उत्तराखंड के कुछ इलाकों में 24 से 27 दिसंबर के दौरान शीत दिवस से लेकर भीषण शीत दिवस की स्थिति रहने की संभावना है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में 24 से 26 दिसंबर के दौरान और बिहार के कुछ इलाकों में 24 से 28 दिसंबर के दौरान भी शीत दिवस की स्थिति रहने की संभावना है।

लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्लू, नाक बहना/बंद होना या नाक से खून आना जैसी कई बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है। कंपकंपी को नज़रअंदाज़ न करें। यह पहला संकेत है कि शरीर से गर्मी निकल रही है। घर के अंदर चले जाएं।
लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्रॉस्टबाइट हो सकता है। त्वचा पीली, सख्त और सुन्न हो जाती है और अंततः उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक और कान के निचले हिस्से जैसे खुले शरीर के अंगों पर काले छाले दिखाई देने लगते हैं। गंभीर फ्रॉस्टबाइट के लिए तत्काल चिकित्सा सहायता और उपचार की आवश्यकता होती है।
कुछ स्थानों पर कृषि, फसल, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं।

सुझावित उपाय:

- ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- अपने सिर, गर्दन, हाथों और पैरों को अच्छी तरह ढकें, क्योंकि शरीर के अधिकांश अंग इन्हीं से ऊष्मा खोते हैं। एक भारी कपड़े की परत के बजाय ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ, अधिमानतः गर्म तरल पदार्थ पिएं।
- बाहरी गतिविधियों से बचें या उन्हें सीमित करें।
- शरीर को सूखा रखें; यदि गीला हो जाए, तो शरीर की ऊष्मा को कम होने से बचाने के लिए तुरंत कपड़े बदल लें। ऊष्मारोधी/जलरोधक जूते पहनें।
- शरीर के प्रभावित हिस्से को गुनगुने पानी से धीरे-धीरे गर्म करें; त्वचा को ज़ोर से न रगड़ें।
- यदि प्रभावित त्वचा का रंग काला पड़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।
- जहरीले धुएं को सांस में लेने से बचने के लिए हीटर का उपयोग करते समय वेंटिलेशन बनाए रखें।
- बिजली और गैस से चलने वाले हीटिंग उपकरणों का उपयोग करते समय सुरक्षा उपाय करें।
- संवेदनशील व्यक्तियों के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।
- ठंड से जमने/शीघ्रता से ग्रस्त व्यक्ति को यथाशीघ्र चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए।
- पशुधन को ठंड से बचाएं।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **पंजाब, हरियाणा, उत्तरी राजस्थान, झारखंड और छत्तीसगढ़ में**, खड़ी फसलों को कम तापमान के तनाव से बचाने के लिए शाम के समय हल्की और नियमित सिंचाई करें। मिट्टी का इष्टतम तापमान बनाए रखने के लिए मल्चिंग का प्रयोग करें और सब्जियों की नर्सरी और फलों के छोटे पौधों को पुआल/पॉलीथीन की चादरों से ढक दें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा: >**204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

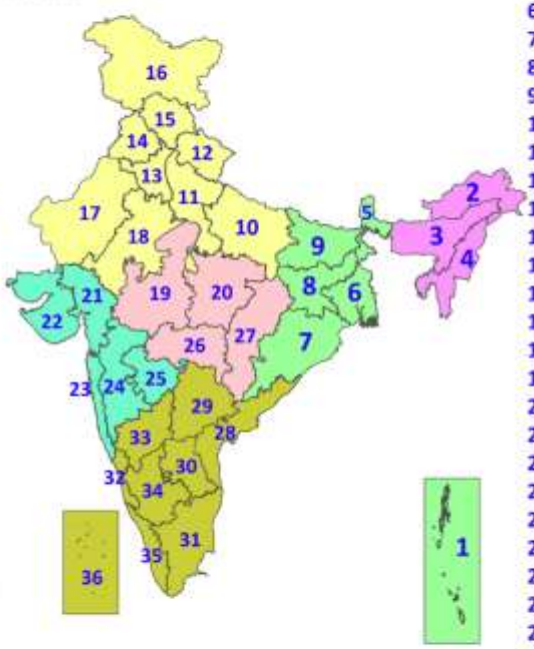

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds
Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds
Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)